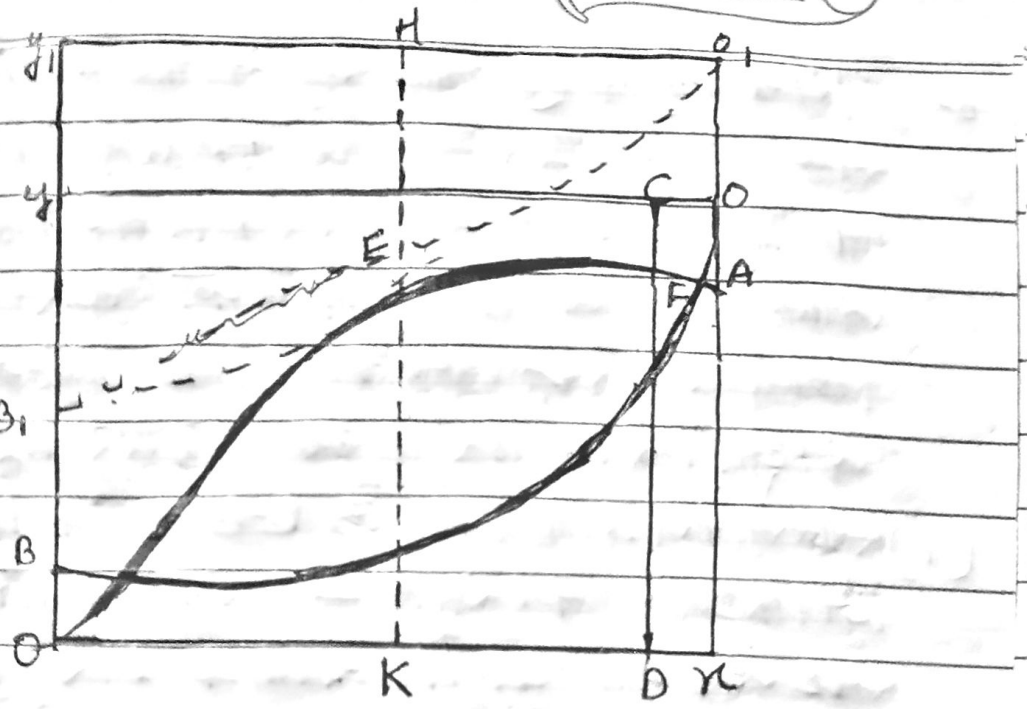

4. साधनों के अनुकूलतम आवंटन की शर्त
→ सामाजिक कल्याण के अधिकतम करने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक साधन की उत्पादन क्षमता का पूर्णतः उपयोग किया जाए इसके लिए ऐसे किन्हीं दो साधनों की सीमांत स्थानापत्ति दर उन दो फर्मों के लिए एक समान रहनी चाहिए जिनका वे फर्में वस्तु के उत्पादन में उपयोग करती हैं।

5. उत्पादित वस्तुओं के मध्य रूपांतरण की दर
- इस शर्त के अनुसार एक समाज के लिए किन्हीं दो वस्तुओं के बीच रूपांतरण की सीमांत स्थानापत्ति की दर वही होनी चाहिए जो उन्हीं दोनों वस्तुओं के बीच किसी उपभोक्ता के लिए है।

6. समय के अनुकूलतम आवंटन की शर्त - इस शर्त का आशय यह है कि प्रत्येक श्रमिक के कार्य से प्राप्त आय तथा अवकाश के मध्य सीमांत स्थानापत्ति की दर वही होनी चाहिए जो समग्र समाज के लिए एवं उत्पाद के मध्य रूपांतर की सीमांत दर होती है।

(ग) परिसम्पत्तियों के अन्तः कालिक अनुकूलतम आवंटन की शर्त - इस शर्त से हमारा अभिप्राय यह है कि दोनों समय पर प्रदत्त परिसम्पत्तियों के बीच किन्हीं दो व्यक्तियों के लिए सीमांत स्थानापत्ति दर समान होनी चाहिए।